प्रेषक.

अरुण क्मार ढौंडियाल सचिव. उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

समस्त जिलाधिकारी. उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादूनः दिनांक 0 ि जनवरी, 2013

विषयः चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में आय-व्ययक में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत जिला सैक्टर योजनाओं में अनुपूरक अनुदान में प्रावधानित धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय.

उपरोक्त विषयक निदेशक, पशुपालन के पत्र संख्या-3282 / नि०-5 / एक(22) / आय-व्ययक /2012-13 दिनांक 13 दिसम्बर, 2012 के संदर्भ एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-607/ XXXVII(1)/2013 दिनांक 1 जनवरी, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में पशुपालन विभाग हेतु अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत जिला सैक्टर योजनाओं के लिए अनुपूरक अनुदान में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष योजनावार, जनपदवार, आहरण वितरण अधिकारीवार, मदवार कुल धनराशि **₹ 34.00 लाख (₹ चौतीस लाख मात्र)** की वित्तीय स्वीकृति संलग्न विवरणानुसार आपके निवर्तन पर निम्न शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-

संलग्न विवरणानुसार निर्गेत स्वीकृति को तत्काल मुख्य पशुचिकित्साधिकारी के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रदिष्ट करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृति

परिव्यय के अनुरूप व्यय किया जायेगा।

बजट मैनुअल में निर्धारित प्रकिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं (2) दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय। (3)

इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

उक्त धनराशि का व्यय जिला नियाजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यो हेतु (4) अनुमोदित लागत सीमा में निर्धारित/आवंटित परिव्यय के अन्तर्गत ही किया जायेगा।

नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही किश्तों में धनराशि आहरित एवं व्यय की (5) जायेगी।

यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या—321/xxvII(1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 एवं शासनादेश संख्या—330/xxvII(1)/2012 दिनांक 22 जून, 2012 में दिये गये दिशा—निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे है।

संलग्न-जनपदवार फांट

भवदीय.

(अरूण कुमार ढाँडियाल) सचिव

संख्या- (1) XV-1/2013 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:--

- 1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2. आयुक्त, गढ़वाल / कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3. निदेशक, पशुपालन, उत्तराखण्ड को उनके उक्तांकित पत्र के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
- 4. अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, गढ़वाल / कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड
- समस्त कोषाधिकारी / वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
- 7. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
- 8. नियोजन अनुभाग।
- 9 निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय देहरादून।

10. गार्ड फाइल।

(जी**ंबींं ओ**ली) संयुक्त सचिव

2000

पर्युपालन विवास का आयाजनागत याजनाआ (जिला सक्टर चालू योजनाओं) के अंतर्गत वर्ष 2012—13 में अनुपूरक बजट की वित जनपदवार /आहरण वितरण आधिकारीबार फॉट अनुदान संख्या—28—2403—पर्युपालन—आयोजनागत—00—
101-पशु विकरस स्वाय तथा पशु स्वास्थ्य-91-जिला योजना 9102-पशु विकरम हेतु दवा वैक्सीन आदि क्रय / शिविरों का आयोजन 26-मशीनें और सज्जा / उपकरण और संयंत्र 18 12 28 10 16 8 7 33 24 31-सामग्री सम्पूर्ति 29 12 80 43 37 17 25 99 62 39-औषधि तथा रसायन 251 104 207 320 100 124 59 158 196 42-अन्य व्यय 10 8 6 1 5 3 7 44 4 योग 39-औषधि तथा रसायन 10 8 136 321 374 158 152 98 334 286 104-मेड को पारजीवी कीटाणुओं से बयाव की योजना 39-औषधि तथा रसायन 0 0 31 205 0 131 0 48 60 107-षारा और बार्या विकास-91-जिला योजना 0 0 0 31 205 0 131 0 48 60
मायोजन 18 12 28 10 16 8 7 33 29 12 80 43 37 17 25 99 251 104 207 320 100 124 59 158 1 10 8 6 1 5 3 7 44 308 136 321 374 158 152 98 334 21 0 0 31 205 0 131 0 48 6 0 0 31 205 0 131 0 48 6

्रिकी० ओली) संयुक्त सचिव